पुष्यभूति वंश / वर्धन वंश

हर्षवर्धन =>

चीनी यात्री => ह्वेनसांग

यात्रा विवरण => Book => सी-यू-की

ह्वेनसांग की Book में

- व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र कन्नौज
- दक्षिण में व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र - कांची
- हर्ष की सेना चतुरंगिणी
- हर्ष का नाम - शीलादित्य

⇒ हेनसांग की जीवनी ⇒ बिहेली को ।

⇒ हर्ष की सेना में अरब सेना का सेनापति – कुंतल

⇒ हर्षवर्धन के कार्य (Junction of Harsh)

(1) महामोक्ष परिषद् का आयोजन

(1) प्रयाग (2) कन्नौज

(2) कुंभ मेलों की शुरुआत

(1) अर्द्धकुंभ ⇒ 6 वर्ष

(2) कुम्भ ⇒ 12 वर्ष

(1) प्रयागराज -> संगम
(2) हरिद्वार -> गंगा
(3) नासिक -> गोदावरी
(4) उज्जैन -> क्षिप्रा

हर्ष के पुत्र (Son)

(1) वाग्यवर्द्धन
(2) भाव्याणवर्द्धन

दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश

पल्लव वंश (Dynasty) / कांची के पल्लव

(1) → संस्थापक (Founder) ⇒ सिंह विष्णु (575 AD - 600 AD)
→ राजधानी (Capital) ⇒ कांची
→ उपाधि (Title) ⇒ अवनि सिंह (Avni Singh)
→ वैष्णव धर्म का अनुयायी (Follower of Vaishnav Religion)
→ पल्लव वंश का प्रतीक चिन्ह ⇒ सिंह (शेर/Lion)
(Symbol of Pallava's Dynasty)

⇒ सिंहविष्णु ने मामल्लपुरम में आदि वराह मंदिर का निर्माण करवाया।

Book ⇒ किरातार्जुनीयम के लेखक (writer) भारवि सिंह विष्णु के दरबार में रहते थे।

⇒ पल्लवों ने संस्कृत भाषा (Sanskrit language) को राजकीय संरक्षण दिया।

(2) महेन्द्र वर्मन प्रथम (600-630 AD)

⇒ "मतविलास प्रहसन" नामक हास्य की रचना महेन्द्र वर्मन I ने की थी।

⇒ संगीत गुरू ⇒ रुद्राचार्य

⇒ महेन्द्र वर्मन प्रथम को चालुक्य वंश के राजा पुलकेशिन II ने परास्त/हरा दिया।

⇒ उपाधि (Titles) → मतविलास
→ विचित्रचित्त
⇒ गुणभर, चैत्यकारी
⇒ अवनिभाजन

(3) नरसिंहवर्मन प्रथम (630 AD - 668 AD)

↳ अपने वंश का सबसे शक्तिशाली राजा (Most Powerfull King)
↳ 642 ई० AD में वातापी / बादामी पर अधिकार करके पुलकेशिन IInd

को युद्ध में पराजित करके मार डाला तथा वातापीकोण्डा की उपाधि धारण की।

⇒ चीनी यात्री हेनसांग इसी के शासनकाल में कांची आया।

⇒ हेनसांग ने पल्लव प्रदेशों को रत्नों का आकार कहा।

⇒ नरसिंह वर्मन प्रथम

- महाबलिपुरम् में रथ्लाश्म रथ मंदिर का निर्माण करवाया। रथ मंदिरों की संख्या = 7
- इन्होंने महामल्ल की उपाधि धारण की।

⇒ सबसे छोटा रथ मंदिर द्रौपदी रथ मंदिर है।

(5) महेन्द्रवर्मन II (668-670 AD)

→ पल्लव - चालुक्य संघर्ष (युद्ध)
में महेन्द्रवर्मन II को पुलेकेशिन II nd के पुत्र
विक्रमादित्य प्रथम ने युद्ध में मार डाला।

(6) परमेश्वर वर्मन (670 AD - 695 AD) ✓

1) गणेश मंदिर का निर्माण (मामल्लपुर)
2) उपाधि → विद्याविनीत → विद्या प्रेमी था।
→ पल्लव महेश्वर

(6) नरसिंह वर्मन II (695-720 AD)

⇒ इनका काल शान्ति व व्यवस्था का काल था।

⇒ दशकुमारचरित

अवन्ति सुन्दरी कथा तथा काव्यदर्श के रचियता 'दण्डिन' इन्हीं की राज्यसभा में रहते थे।

उपाधि ⇒ राजासिंह (राजाओं में सिंह)

⇒ आगमप्रिय (शास्त्रों का प्रेमी)

⇒ शंकर भक्त (शिव का उपासक)

- कांची के कैलाश मंदिर निर्माण करवाया जिसे राजसिंहेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

⇒ इसी मंदिर के निर्माण से "द्रविड़ शैली" (द्रविड़ स्थापत्य कला) की शुरुआत हुई।

⇒ महाबलिपुरम में "शोर मंदिर" का निर्माण इन्हीं ने करवाया।

⇒ नरसिंह वर्मन ने वातापी युद्ध मंडल-चीन भेजा था।

⇒ परमेश्वरवर्मन II (720-730)/AD

⇒ नंदिवर्मन II (730 AD-795 AD) ┌ 1) विष्णु भगवान को समर्पित
└ कांची के मुक्तेश्वर तथा वैकुण्ठ-पेरुमाल मंदिर का निर्माण करवाया।

अंतिम शासन ⇒ कम्पवर्मा था।